दक्षिण का पठारी प्रदेश

प्रायद्वीपीय पठारी प्रदेश

Peninsular Plateau Region

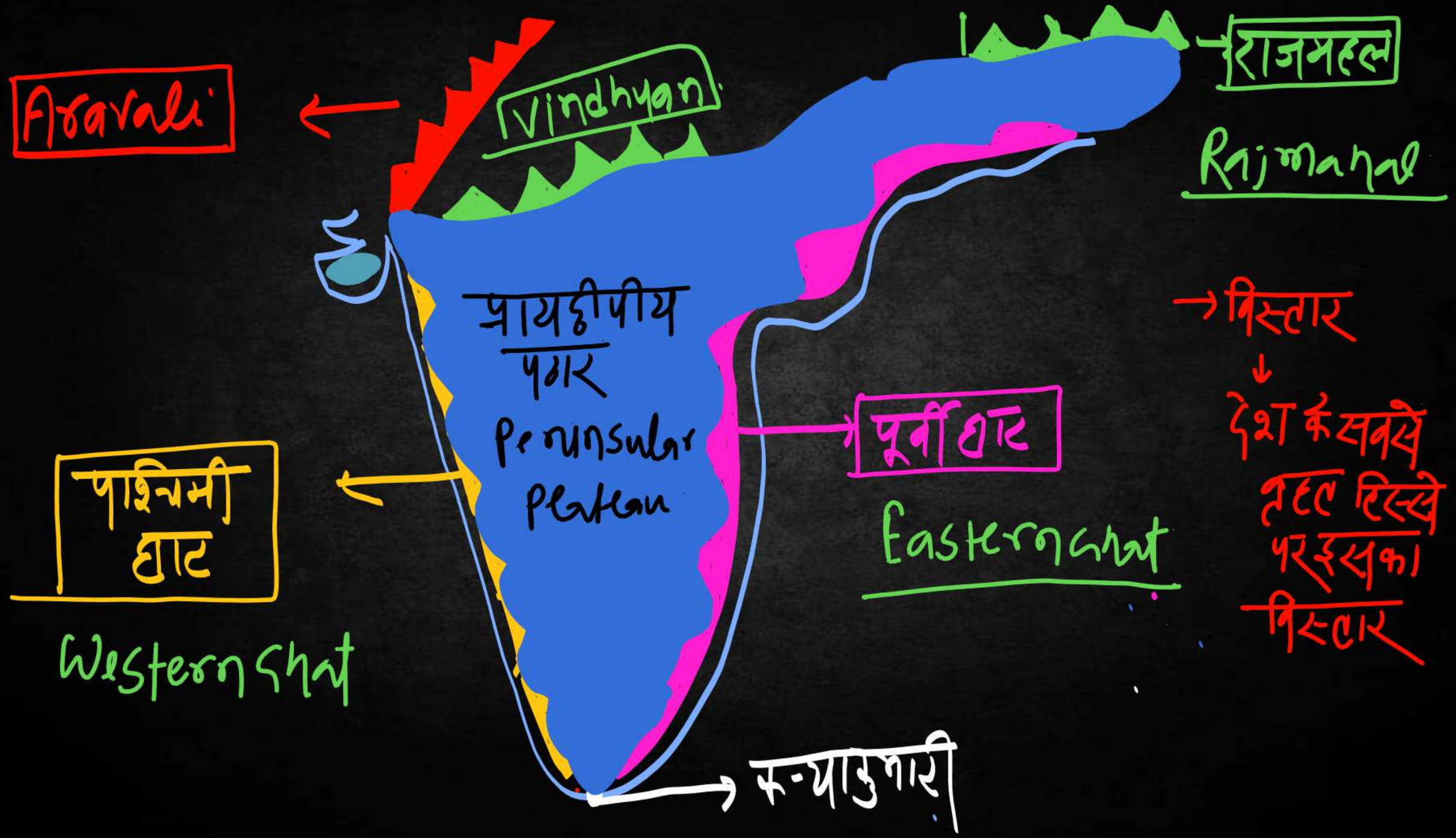
Aravali
Vindhyan
राजमहल
Rajmahal
प्रायद्वीपीय पठार
Peninsular Plateau
पूर्वी घाट
Eastern Ghat
पश्चिमी घाट
Western Ghat
कन्याकुमारी
→ विस्तार
↓
देश के सबसे बड़े हिस्से पर इसका विस्तार

उत्पत्ति
Formation

→ बेसाल्टिक लावा का पठार है।
Example of Basaltic Lava Plateau.

↓

दरारी लावा के उद्भेदन की क्रिया के द्वारा
Fissure Type of Eruption.

भारत (India) → Gondwanaland

गोंडवानालैण्ड

दक्षिणा लावा का प्रवाह

दक्कन लावा का प्रवाह

Deccan Lava

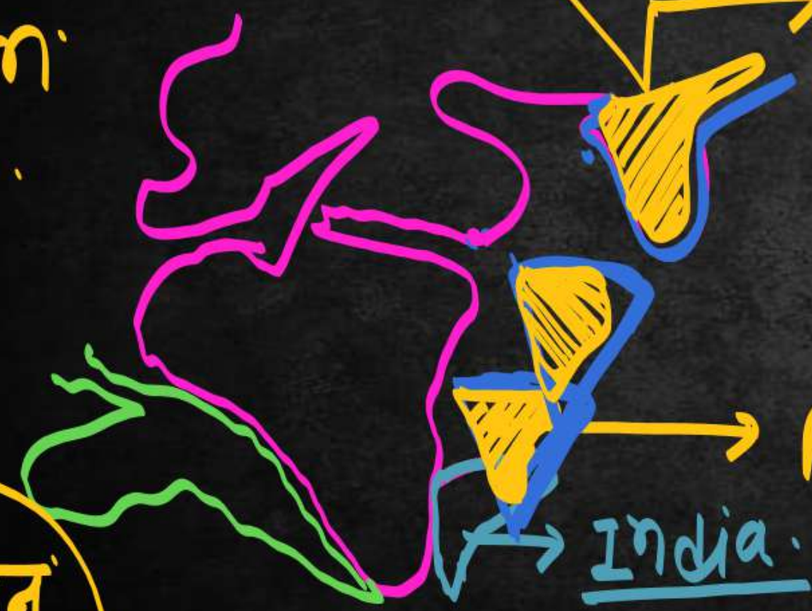

बेसाल्टिक पठार

Basaltic Plateau

Re-union Hotspot

ज्वालामुखी Volcano

India

उद्भेदन

Re-union

India

लावा का प्रवाह

क्रिटेशियस युग

Last phase

Characteristics
विशेषतायें

- लावा के पठार का उदाहरण है। Example of Lava Plateau
- कठोर चट्टान | Hard Rock
- बेसाल्टिक चट्टान की प्रधानता | Majority of Besaltic Rock
- अपारगम्य चट्टान | Impermiable Rock.
- क्रिस्टलीय चट्टान | Crystaline Rock.
- खनिज की उपस्थिति है। (Presence of Minerals)
  - एल्युमिनियम
  - खनिज
  - Minerals
    - लोहा (Ferium)
    - निकिल (Nickle)
- यह शांत प्रदेश है अतः भूकंपीय घटनायें ना के बराबर होती है।
- बेसाल्ट (Besalt), शीस्ट | (Shist)

→ यह कई छोटे-छोटे पठारों का समूह है। It is an example of group of small Plateaus.

→ जीवाश्म का अभाव / Lack of Fossils

→ दक्कन ट्रैप भी कहा जाता है। (It is also known as deccan Trap.

रांची
हजारीबाग → का पठार → झारखण्ड

बस्तर का पठार → छत्तीसगढ़

भारत का रूर प्रदेश

मालवा

- अधिकांश विस्तार मध्य प्रदेश
- लावा के पठार का उदाहरण
- प्रायद्वीपीय पठार का उत्तरी पश्चिम भाग
- बेसाल्टिक चट्टान
- शुष्क प्रदेश
- खनिज की उपस्थिति
- काली मृदा की उपस्थिति
- कपास का उत्पादन
- सूती वस्त्र उद्योग की स्थापना
- इंदौर सूती वस्त्र का प्रमुख केन्द्र
  इसे MP का मैनचेस्टर कहा जाता है

छोटानागपुर

- विस्तार – झारखण्ड, छत्तीसगढ़, प. बंगाल
- लावा का पठार
- प्रायद्वीपीय पठार का उत्तर पूर्वी भाग
- दामोदर नदी का प्रवाह
- खनिज की उपस्थिति
- लोहा, निकिल
- दामोदर नदी घाटी मे कोयले की उपस्थित
- लौह इस्पात उद्योग की स्थापना
  - केन्द्र
    - जमशेदपुर
    - बोकारो
    - भिलाई
- जनजातियां Tribes
  - भील
  - गोंड
  - शहरिया
  - बावरिया

छत्तीसगढ़ → कोरबा → तापीय विद्युत संयन्त्र की स्थापना
Thermal Power Plant

बस्तर

छत्तीसगढ़ मे उपस्थित है।

मुख्य पठार का पूर्वी भाग है।

लावा का पठार है।

कठोर चट्टान

खनिज की उपस्थिति

धात्विक खनिज

→ बॉक्साइड (एल्युमिनियम) का उत्पादन होता है।

शिलांग

→ मेघालय मे उपस्थित है।

→ मुख्य पठार का उत्तरी-पूर्वी विस्तार है।

→ गारो, खासी, जायंतिया जनजाति है।

गारो, खासी, जायंतिया पहाड़ीयो का समूह है।

वर्षा अधिक होती है। सबसे अधिक वर्षा खासी पर्वतीय क्षेत्र में होती है (चेरापूंजी, मावसिनराम)

जायंतिया | Jaintia

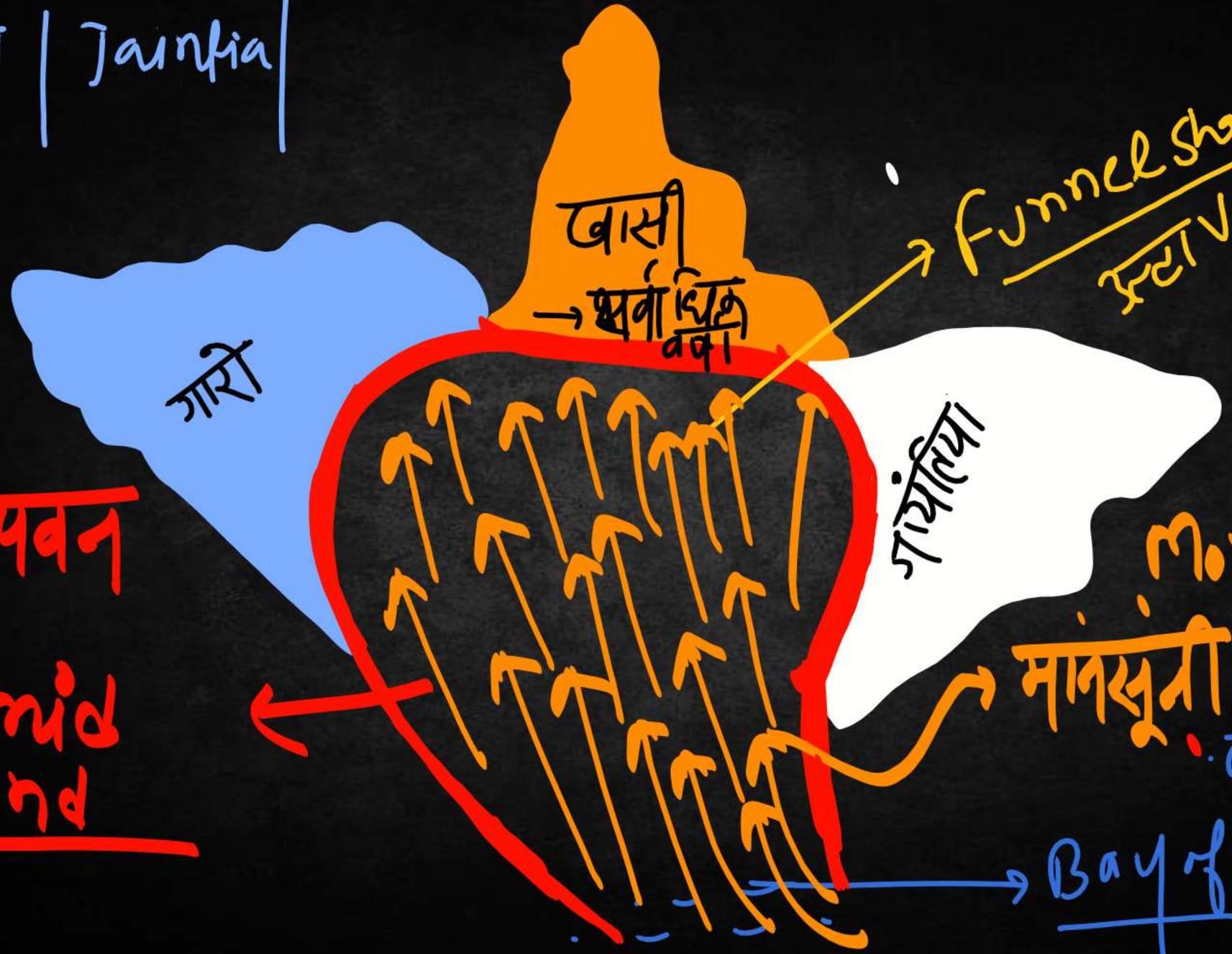

Funnel shape
उल्टा V-आकार

आर्द्र पवन
Humid Wind

Monsoon Wind
मानसूनी पवन

बंगाल की खाड़ी
Bay of Bangal